ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 19 जुलाई 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 104

थाईलैंड में बौद्ध भिक्षुओं का सेक्स और ब्लैकमेल स्कैंडल उजागर: 100 करोड़ की उगाही, 80 हजार अश्लील फोटो-वीडियो बरामद

24 न्यूज अपडेट

बैंकॉक। थाईलैंड के बौद्ध समुदाय को झकझोर देने वाला एक बड़ा सेक्स और ब्लैकमेल स्कैंडल सामने आया है, जिसने न केवल धार्मिक मर्यादाओं पर सवाल खड़े किए हैं बल्कि मठों की वित्तीय पारदर्शिता को भी कठघरे में ला खड़ा किया है। राजधानी बैंकॉक के एक प्रमुख बौद्ध मठ से जुड़े इस प्रकरण में 9 वरिष्ठ भिक्षुओं को मठ से निष्कासित कर दिया गया है, जबकि पुलिस जांच में 100 करोड़ रुपए से अधिक की ब्लैकमेलिंग और मनी लॉन्ड्रिंग की पुष्टि हुई है।

'मिस गोल्फ' के नाम से कुख्यात महिला गिरफ्तार

इस पूरे मामले की कड़ी तब खुली, जब जून की शुरुआत में वरिष्ठ भिक्षु फ्रा थेप वचिरापामोक अचानक लापता हो गए। उनकी तलाश करते हुए पुलिस विलावन एम्सावत उर्फ मिस गोल्फ तक पहुंची। जांच के दौरान विलावन के मोबाइल और लैपटॉप से करीब 80 हजार अश्लील फोटो और वीडियो बरामद किए गए, जिनमें फ्रा थेप समेत कई अन्य भिक्षु भी शामिल थे। पुलिस के अनुसार, विलावन ने पिछले तीन वर्षों में कम से कम 9 भिक्षुओं के साथ यौन संबंध बनाए और उन्हें ब्लैकमेल कर लगभग 385 मिलियन थाई बाट (करीब 102 करोड़) की उगाही की। इन पैसों का एक बड़ा हिस्सा ऑनलाइन जुए और महंगे उपहारों पर खर्च किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विलावन को कई भिक्षुओं ने मर्सिडीज-बेंज और महंगे तोहफे भी दिए थे।

ब्रह्मचर्य की मर्यादा तार-तार

थाईलैंड में बौद्ध भिक्षु ब्रह्मचर्य की शपथ लेते हैं और संयमपूर्ण जीवन जीते हैं। इस घटनाक्रम ने पूरे समाज को स्तब्ध कर दिया है। विशेष रूप से इसलिए क्योंकि यह मामला केवल अनैतिक संबंधों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि योजनाबद्ध ब्लैकमेलिंग और वित्तीय धोखाधड़ी तक जा पहुंचा। विलावन ने पुलिस को दिए बयान में दावा किया कि वह भिक्षु फ्रा थेप वचिरापामोक के बच्चे की मां है और उसने बच्चे की देखभाल के लिए 70 लाख थाई बाट (लगभग 1.90 करोड़) की मांग की थी। हालांकि, पूछताछ के दौरान उसने कहा कि उसका केवल एक भिक्षु के साथ संबंध था और उसने ही उस भिक्षु को आर्थिक सहायता दी थी। मंदिर प्रशासन और सरकार की साख पर संकट घटना के सामने आने के बाद थाईलैंड की कार्यवाहक सरकार सक्रिय हो गई है। प्रधानमंत्री ने भिक्षुओं के आचरण और मठों की वित्तीय कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा के आदेश दिए हैं। साथ ही, थाईलैंड की बौद्ध धर्म की सर्वोच्च संस्था सांघा सुप्रीम काउंसिल ने एक विशेष समिति का गठन किया है, जो नियमों और आचरण संहिताओं की समीक्षा करेगी। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे विवाद के केंद्र में रहे फ्रा थेप वचिरापामोक का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। उनकी तलाश जारी है, लेकिन पुलिस को अब तक कोई ठोस सफलता नहीं मिल सकी है।

उदयपुर सर्राफा बाजार: चांदी में लगातार तेजी, सोना रहा स्थिर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर सर्राफा बाजार में बीते तीन दिनों के भीतर चांदी की कीमतों में लगातार तेजी दर्ज की गई, जबकि सोने के भाव में मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिला। 17 जुलाई को चांदी टंच 1,11,850 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो 18 जुलाई को बढ़कर 1,12,800 रुपए और 19 जुलाई को 1,13,300 रुपए तक पहुंच गई। इसी तरह चांदी चौरसा भी 1,11,000 से बढ़कर 1,12,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। दूसरी ओर, सोना स्टैंडर्ड 17 जुलाई को 98,600 रुपए था, जो 18 जुलाई को बढ़कर 99,000 रुपए हुआ, लेकिन 19 जुलाई को हल्की गिरावट के साथ 98,800 रुपए रह गया। 23 कैरेट जेवराती सोना भी 94,655 से बढ़कर 95,040 रुपए तक पहुंचा, लेकिन फिर गिरकर 94,850 रुपए हो गया। 22 कैरेट सोना भी इसी प्रवृत्ति में 90,710 से बढ़कर 91,080 और फिर घटकर 90,895 रुपए पर आ गया। जहां चांदी लगातार ऊंचाइयों की ओर बढ़ रही है, वहीं सोना सीमित दायरे में बना हुआ है.

ICICI बैंक का मुनाफा 15% बढ़कर 12,768 करोड़:पहली तिमाही में कमाई 51,452 करोड़ रही, बैंक का शेयर एक साल में 14% चढ़ा

24 न्यूज अपडेट

ICICI बैंक ने पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में कुल 51,452 करोड़ की कमाई की है। इस कमाई में से बैंक ने 32,706 करोड़ रुपए कर्मचारियों की सैलरी, बिजली बिल, डिपॉजिट जैसे कामों में खर्च किए।

इसके बाद बैंक के पास 12,768 करोड़ रुपए मुनाफा के रूप में बचा। एक साल पहले की समान अवधि में बैंक को 11,059 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। सालाना आधार यह 15.45% बढ़ा है।

क्या नतीजे उम्मीद से अच्छे हैं?

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में ICICI बैंक का मुनाफा मार्केट विश्लेषकों की उम्मीद से बेहतर रहा है यानी बैंक ने इस बार बेहतर काम किया। एक्सपर्ट्स को उम्मीद थी कि बैंक को पहली तिमाही में 11,770 करोड़ रुपए का मुनाफा होगा।

सदी का सबसे लंबा सूर्यग्रहण: 2 अगस्त 2027 को 6 मिनट तक छिप जाएगा सूरज, भारत सहित 11 देशों में दिखेगा अद्भुत नज़ारा

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। वर्ष 2027 में एक दुर्लभ खगोलीय घटना घटित होने जा रही है, जिसे खगोल वैज्ञानिकों ने 'सदी का सूर्यग्रहण' करार दिया है। यह पूर्ण सूर्यग्रहण 2 अगस्त 2027 को होगा और इसकी कुल अवधि लगभग 6 मिनट होगी। इतना लंबा और प्रभावशाली सूर्यग्रहण अगले 100 वर्षों तक दोबारा नहीं देखा जा सकेगा। खास बात यह है कि यह ऐतिहासिक दृश्य भारत सहित दुनिया के 11 देशों में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

अद्भुत खगोलीय घटना: 6 मिनट का अंधकार

इस दिन दोपहर में लगभग 3:34 बजे से लेकर शाम 5:53 बजे तक सूर्यग्रहण देखा जाएगा। इस दौरान जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच पूरी तरह आ जाएगा, तो लगभग छह मिनट तक सूर्य की रोशनी पूरी तरह छिप जाएगी और धरती पर अंधकार छा जाएगा। यह खगोलीय घटना 'पूर्णता के पथ' नामक संकीर्ण पट्टी में अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देगी।

कहां-कहां दिखेगा यह सूर्यग्रहण?

यह ऐतिहासिक ग्रहण भारत, मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, मिस्र, सऊदी अरब, यमन, सूडान, सोमालिया, स्पेन, और ओमान सहित कुल 11 देशों में दिखाई देगा। इसके अलावा कनाडा के न्यूफाउंडलैंड क्षेत्र के एक छोटे से हिस्से में आंशिक सूर्यग्रहण देखा जा सकेगा।

2027 का सूर्यग्रहण क्यों है इतना खास?

यह 21वीं सदी के सबसे लंबे पूर्ण सूर्यग्रहणों में से एक होगा। इस ग्रहण की अवधि 6 मिनट तक होगी, जो आमतौर पर होने वाले पूर्ण सूर्यग्रहणों से काफी अधिक है। इसका पथ लगभग 89 मिलियन (8.9 करोड़) लोगों को प्रभावित करेगा, जो 2024 में उत्तर अमेरिका में लगे पूर्ण सूर्यग्रहण की तुलना में दोगुनी आबादी है। खगोल वैज्ञानिक इसे 'ग्रेट नॉर्थ अफ्रीकन एक्लिप्स' का नाम दे रहे हैं। इसे एक बार जीवन में देखने वाली दुर्लभ घटना माना जा रहा है, क्योंकि अगला ऐसा अवसर 2114 तक नहीं आएगा।

पूर्ण सूर्यग्रहण होता क्या है?

पूर्ण सूर्यग्रहण तब होता है जब चंद्रमा, पृथ्वी और सूर्य के बीच इस प्रकार आता है कि वह सूर्य की पूरी डिस्क को ढक लेता है। यह दृश्य पृथ्वी पर केवल एक विशेष संकीर्ण पट्टी में ही दिखाई देता है, जिसे 'पूर्णता का पथ' (Path of Totality) कहा जाता है। इस पथ पर आने वाले क्षेत्रों में कुछ मिनटों तक दिन में अंधेरा छा जाता है।

2025 और 2026 में भी लगेंगे ग्रहण

इससे पहले वर्ष 2025 और 2026 में दो-दो सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण लगेंगे, लेकिन उनकी अवधि और दृश्यता इतनी रोमांचक और स्पष्ट नहीं होगी जितनी 2 अगस्त 2027 के पूर्ण सूर्यग्रहण की होगी।

ओडिशा में नाबालिग लड़की को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया

24 न्यूज अपडेट

ओडिशा के पुरी में शनिवार को 15 साल की नाबालिग लड़की को तीन लोगों ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। लड़की को गंभीर हालत में AIIMS भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

घटना पुरी जिले के बायाबर गांव में उस वक्त हुई जब पीड़ित लड़की अपने दोस्त के घर जा रही थी। तीन हमलावरों ने उसे रास्ते में रोका और पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

घटना स्थल बालंगा थाने से डेढ़ किलोमीटर दूर घटी। तीनों आरोपी फरार हैं, पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। छात्रा को आग क्यों लगाई, अभी तक इसकी कोई वजह सामने नहीं आई है।

इससे पहले, 12 जुलाई को ओडिशा के बालासोर के फकीर मोहन कॉलेज में छात्रा के साथ सेक्शुअल हैरेसमेंट का मामला सामने आया था।

छात्रा ने इससे तंग आकर खुद पर केरोसिन छड़िक लिया था और प्रिंसिपल ऑफिस के बाहर खुद को आग लगा ली थी। 14 जुलाई को इलाज के दौरान छात्रा की मौत हो गई थी।

गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की आय 223% बढ़ी

24 न्यूज अपडेट

देश में नाममात्र के वोट पाने वाली रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों (RUPP) की आय 2022-23 में 223% बढ़ गई। यह जानकारी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) की रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में 2764 गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियां हैं। इनमें से 73% से ज्यादा (2025) ने अपना फाइनेंशियल रिकॉर्ड सार्वजनिक ही नहीं किया है। बाकी 739 रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों ने अपना रिकॉर्ड साझा किया है। रिपोर्ट में इन्हीं पार्टियों का एनालिसिस किया गया है।

रिपोर्ट से पता चलता है कि गुजरात की ऐसी 5 पार्टियों की कुल आय 2316 करोड़ रही। इनमें एक साल की आमदनी 1158 करोड़ थी। जबकि बीते 5 सालों में हुए 3 चुनावों में इन्हें सिर्फ 22 हजार वोट मिले।

इन पांचों दलों ने 2019 से 2024 के बीच दो लोकसभा और एक विधानसभा चुनाव में कुल 17 उम्मीदवार खड़े किए, लेकिन कोई जीत नहीं सका। इनमें से चार दल 2018 के बाद रजिस्टर्ड हुए हैं।

HDFC बैंक का पहली तिमाही में मुनाफा 12% बढ़ा:कमाई 99,200 करोड़ रही, बैंक हर शेयर पर 5 मुनाफा देगा

24 न्यूज अपडेट

देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक HDFC ने पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में कुल 99,200 करोड़ की कमाई की है। इस कमाई में से बैंक ने 63,466 करोड़ रुपए कर्मचारियों की सैलरी, बिजली बिल, डिपॉजिट जैसे कामों में खर्च किए।

इसके बाद बैंक के पास 18,155 करोड़ रुपए मुनाफा के रूप में बचा। एक साल पहले की समान अवधि में बैंक को 16,175 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। सालाना आधार यह 12.24% बढ़ा है।

नतीजों में आम आदमी के लिए क्या?

बैंक ने अपने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 5 रुपए का स्पेशल अंतरिम डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा अपने शेयरधारकों को देती हैं, इसे डिविडेंड या लाभांश कहा जाता है।

बैंक ने शेयर-होल्डर्स के लिए 1:1 के रेश्यो में बोनस शेयरों का भी ऐलान किया। यानी शेयरहोल्डर्स को HDFC बैंक के हर एक शेयर पर 1 नया शेयर बोनस के तौर पर मिलेगा। इसके लिए रिकॉर्ड डेट 27 अगस्त 2025 तय की गई है।

फिल्म 'किंग' की शूटिंग के दौरान घायल हुए शाहरुख खान, अमेरिका में सर्जरी के बाद डॉक्टर्स ने दी एक महीने आराम की सलाह

24 न्यूज अपडेट

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान अपनी मेगा एक्शन फिल्म 'किंग' की शूटिंग के दौरान घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, उन्हें यह चोट मुंबई के गोल्डन टोबैको स्टूडियो में एक एक्शन सीन शूट करते समय लगी। हादसे के बाद उन्हें तत्काल अमेरिका ले जाया गया, जहां उनकी मांसपेशियों में चोट के चलते सर्जरी की गई। डॉक्टरों ने अब उन्हें एक महीने तक पूरी तरह आराम करने की सलाह दी है। शाहरुख की यह फिल्म 'किंग' एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म है, जिसके लिए जुलाई-अगस्त में मुंबई के फिल्म सिटी, गोल्डन टोबैको और YRF स्टूडियो में शूटिंग शेड्यूल तय था। अब अभिनेता की तबीयत को देखते हुए ये सभी शेड्यूल रद्द कर दिए गए हैं। नई शूटिंग अब सितंबर या अक्टूबर में शुरू हो सकती है, जब तक शाहरुख पूरी तरह से स्वस्थ नहीं हो जाते।

अमेरिका में चल रहा है इलाज, टीम साथ रवाना हुई

सूत्रों के अनुसार, शाहरुख खान अपनी कोर टीम के साथ अमेरिका रवाना हुए थे। चोट कब और कितनी गंभीर थी, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन बताया जा रहा है कि घुटने या मांसपेशी में पुरानी चोट के कारण ही उन्हें यह सर्जरी करानी पड़ी। शाहरुख इससे पहले भी फिल्म 'कोयला' और 'रा.वन' की शूटिंग के दौरान घुटने की गंभीर चोट झेल चुके हैं, जिसके लिए उन्हें आर्थोस्कोपिक सर्जरी तक करानी पड़ी थी।

'किंग' में सुहाना के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे शाहरुख

फिल्म 'किंग' शाहरुख खान के लिए खास है क्योंकि इसमें पहली बार उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी और अनिल कपूर जैसे कई सितारे भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे। फिल्म 2026 में रिलीज के लिए निर्धारित है और इसकी शूटिंग भारत और यूरोप में प्रस्तावित है। लगातार घायल होते आए हैं शाहरुख, फिर भी एक्शन फिल्मों से नहीं किया किनारा शाहरुख खान का करियर एक्शन और स्टंट से भरा रहा है। 'पठान' और 'जवान' जैसी फिल्मों की बॉक्स ऑफिस सफलता के बावजूद वह अपने शरीर पर भारी जोखिम लेते रहे हैं। 'डंकी' में भावनात्मक भूमिका निभाने के बाद 'किंग' में उनका फिर से एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। फिलहाल फैन्स को उनके जल्दी ठीक होने और शूटिंग के दोबारा शुरू होने का इंतजार है।

संपादकीय : स्पष्ट संदेश

इसमें कोई दोराय नहीं कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को खत्म करने के लिए सभी जरूरी विकल्पों पर काम होना चाहिए और खासतौर पर इसमें वैसे देशों को अपनी भूमिका का निर्वाह करना चाहिए, जो इसमें अपना कुछ प्रभाव रखते हैं। संभव है कि अमेरिका भी रूस- यूक्रेन युद्ध का अंत ही चाहता हो । मगर जिन देशों से इस युद्ध को खत्म कराने के लिए कुछ करने की उम्मीद की जा रही है, क्या धौंस या धमकी के जरिए उनसे ऐसा करा पाना मुमकिन है? पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सुविधा के मुताबिक और हित में कई देशों पर शुल्क लगाने या बढ़ाने के विकल्प को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में अब रूस- यूक्रेन युद्ध को रोकने को लेकर भी बेजा दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो के महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को भारत, चीन और ब्राजील को यह चेतावनी दी थी कि अगर वे रूस के साथ व्यापार करना जारी रखते हैं, तो उन पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इससे पहले ट्रंप ने भी यह कहा था कि अगर यूक्रेन को लेकर जल्दी ही शांति समझौता नहीं किया गया, तो रूस से सामान खरीदने वाले देशों पर सौ फीसद तक का शुल्क लगाया जाएगा। जाहिर है, यह बहुध्रुवीय विश्व में अन्य देशों को अपनी सुविधा और नीतियों के मुताबिक फैसले लेने की आजादी और संप्रभुता पर डाला जाने वाला एक दबाव है, जिसकी दिशा अमेरिका की इच्छा के हिसाब से संचालित करने की कोशिश की जा रही है। इसलिए भारत ने स्वाभाविक ही प्रतिबंध लगाने की धमकी के खिलाफ सख्त प्रतिक्रिया दी है। भारत ने गुरुवार को इस मामले में 'दोहरे मापदंडों' के प्रति आगाह किया और जोर देकर कहा कि रूस से उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हितों और बाजार की गतिशीलता पर आधारित है। दरअसल, दिसंबर, 2022 में जब रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाया गया था, तब यूरोपीय संघ और अमेरिका ने यह उम्मीद की थी कि इस पाबंदी से रूस की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा और उसे यूक्रेन के साथ युद्ध को खत्म करने पर मजबूर किया जा सकेगा। मगर तब रूस से भारत और चीन ने तेल की खरीद जारी रखी और यही वजह है कि प्रतिबंध ज्यादा कारगर साबित नहीं हुए । सवाल है कि अगर नाटो और अमेरिका अन्य देशों के नीतिगत मामलों में इस स्तर पर जाकर दखल देना चाहते हैं, तो क्या यह प्रत्यक्ष रूप से दोहरे मापदंड नहीं हैं! राष्ट्रपति बनने के साथ ही ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को खत्म कराने के लिए बढ़-चढ़ कर दावे किए थे। मगर अब यह साफ है कि इस दिशा में ट्रंप की कोशिशों का कोई असर नहीं हुआ। उल्टे अमेरिका यूक्रेन को हथियार मुहैया करा रहा है। अब नाटो भारत, चीन और ब्राजील से रूस के राष्ट्रपति को फोन करके शांति वार्ता के लिए गंभीर होने को कह रहा है तो इसके क्या मायने हैं? भारत के पास अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं, उपलब्धता के सीमित विकल्प हैं और फिलहाल जो वैश्विक परिस्थितियां बनी हुई हैं, उसी के मुताबिक कदम उठाना होगा । यों भी एक संप्रभु देश अपनी जरूरतों के मुताबिक ही अपनी दिशा तय करता है और भारत ने यह साफ संदेश दे दिया है। इसके बावजूद अगर नाटो और अमेरिका की ओर से भारी शुल्क या फिर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी जाती है तो दरअसल यह टकराव और दबाव की वही नीति है, जिसे खत्म करने की वे इच्छा जता रहे हैं।

बेखौफ अपराधी

ऐसा लगता है कि बिहार में अपराधी बेलगाम हो चुके हैं, लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और सरकार लाचार है। राज्य की राजधानी में भी सरेआम गोलियां चल रही हैं और हत्याओं का एक सिलसिला - सा चल पड़ा है। जाहिर है, कानून व्यवस्था इस समय पूरी तरह अनुपस्थित लगती है। अपराधियों में कानून का खौफ नहीं दिख रहा और वे किसी की हत्या कर आसानी से फरार हो जाते हैं। यह एक तरह से घोर अराजकता का माहौल है। जबकि कुछ महीनों बाद ही विधानसभा चुनाव होने हैं। यह कानून व्यवस्था ध्वस्त होने का भी संकेत है कि राजधानी के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले हिस्सों में भी अपराधी किसी की हत्या करके आराम से निकल जाते हैं। गुरुवार को एक अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष में फिल्मी अंदाज में कुछ बदमाश आए और एक व्यक्ति की हत्या करके हथियार लहराते बिना रोकटोक के निकल गए। इससे पहले पटना में एक व्यवसायी और फिर एक वकील सहित लगातार कई हत्याओं ने कानून-व्यवस्था की हकीकत को सामने रख दिया था। इसके बावजूद सरकार और पुलिस को सजग होने की जरूरत महसूस नहीं हुई । सवाल है कि क्या यह बिहार की पुलिस की नजर में कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है ? राज्य में हत्या की ताबड़तोड़ घटनाओं के पीछे क्या कारण है और अपराधी इस हद तक बेलगाम क्यों दिख रहे हैं ? अपराध का यह सिलसिला कैसे और किन वजहों से बेरोकटोक चल रहा है? कथित सुशासन के दावों के बीच अगर पुलिस की कार्यप्रणाली चुस्त है, तो आपराधिक तत्त्व खुद को इतना बेखौफ क्यों पा रहे हैं ? हैरानी की बात यह है कि इस चिंताजनक परिदृश्य में बिहार के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मई से जुलाई के बीच वारदात बढ़ने की बात कर रहे हैं। फसल का मौसम न होने से खाली बैठे किसानों पर आरोप मढ़ने का उनका बयान न केवल अफसोसनाक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि उच्च पदों पर बैठे लोग किस हद तक गैरजिम्मेदार तरीके से बचाव कर सकते हैं। गंभीर मामलों से सख्ती से निपटने के बजाय बेहद उथली दलील देकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश को किस तरह देखा जाएगा ?

गढ़ी सीआई रोहित कुमार सिंह लाइन हाजिर, एसपी ने की कार्रवाई - राजनीतिक दबाव के संकेत

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। गढ़ी थाना प्रभारी (सीआई) रोहित कुमार सिंह को पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अगरवाला ने शनिवार को लाइन हाजिर कर दिया है। एसपी कार्यालय से जारी आदेश में यह स्थानांतरण शिकायत के आधार पर बताया गया है।

हालांकि, शिकायत का स्पष्ट विवरण नहीं दिया गया, लेकिन माना जा रहा है कि यह कार्रवाई हाल ही में विधायक कैलाश मीणा द्वारा थाने पर दिए गए धरने और गंभीर आरोपों के संदर्भ में की गई है। विधायक कैलाश मीणा ने आरोप लगाया था कि सीआई रोहित सिंह भू-माफियाओं और बजरी माफियाओं से मिलीभगत रखते हैं। उन्होंने सीआई पर जेसीबी संचालक से 18 हजार और डंपर संचालक से 13 हजार रुपए प्रति माह अवैध वसूली के आरोप भी लगाए थे। इतना ही नहीं, विधायक ने चेतावनी दी थी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वे सीआई को थाने से बिना वर्दी बाहर निकाल देंगे। इस घटनाक्रम को राजनीतिक दबाव में उठाए गए कदम के रूप में देखा जा रहा है। पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने हाल ही अपने बांसवाड़ा दौरे में बयान दिया था कि इस प्रकार के प्रकरणों की निगरानी प्रदेशाध्यक्ष और मुख्यमंत्री स्तर पर की जा रही है और जल्द कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। विधायक मीणा ने यह भी चेताया था कि यदि एसपी द्वारा कार्रवाई नहीं हुई तो वे मुख्यमंत्री और डीजीपी तक शिकायत पहुंचाएंगे। अब सीआई के लाइन हाजिर होने को इसी चेतावनी से जोड़कर देखा जा रहा है।

विवादित मामलों में कार्यवाही नहीं होने के भी आरोप

गढ़ी थाने में कुछ अन्य मामलों को लेकर भी सीआई की भूमिका पर सवाल उठे थे। 31 मई को गेमन पुल के पास गढ़ी मंडल के पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल लबाना के पोते और एक युवती के शव पेड़ से लटके मिले थे। आत्महत्या के इस मामले में उकसाने वाले की गिरफ्तारी नहीं होने को लेकर भी सवाल उठे थे। इसके अलावा बेड़वा पंचायत में वर्ष 2022 में पवन बामनिया की दादी की जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराने के मामले में शिकायत के बावजूद मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। विधायक ने थाने में अपने साथ गलत व्यवहार की भी लिखित शिकायत की थी।

एक महीने से दहशत का पर्याय बना तेंदुआ पिंजरे में कैद, जंगल में सुरक्षित छोड़ा गया

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, डूंगरपुर। डूंगरपुर जिले की दोवड़ा पंचायत समिति क्षेत्र के रघुनाथपुरा ग्राम पंचायत अंतर्गत बेरणिया फला में शनिवार सुबह एक तेंदुआ वन विभाग के पिंजरे में फंस गया। यह तेंदुआ पिछले करीब एक महीने से रघुनाथपुरा सहित आसपास के गांवों में पालतू मवेशियों को शिकार बनाकर ग्रामीणों में भय का माहौल बना रहा था। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में कई स्थानों पर पिंजरे लगाए थे। शनिवार सुबह ग्रामीणों ने पिंजरे से आ रही गुर्राने की आवाज सुनी और तुरंत विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही रेंजर यशपाल सिंह के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, जहां पिंजरे में एक वयस्क तेंदुआ कैद मिला। अनुमान है कि वह रात के समय शिकार की तलाश में घूमता हुआ पिंजरे में घुस गया और वहीं फंस गया। वनपाल चंद्रवीर सिंह व अन्य स्टाफ की सहायता से तेंदुए को सावधानीपूर्वक रेस्क्यू किया गया और उसे सुरक्षित रूप से विभागीय मुख्यालय लाया गया। आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षणों के बाद उसे जंगल में पुनः छोड़ दिया गया। इस सफल कार्रवाई से क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली है और अब पशुधन की सुरक्षा को लेकर उनमें आश्वस्ति का माहौल है।

विद्यार्थियों से अश्लील हरकतों के दोषी शिक्षक को सेवा से तत्काल बर्खास्त किया

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 19 जुलाई। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, आंवलहेड़ा (ब्लॉक बेगूं) में पदस्थापित शिक्षक शंभूलाल धाकड़ को विद्यार्थियों के साथ अश्लील हरकतें करने, यौन उत्पीड़न, अप्राकृतिक कृत्य और वीडियो बनाने जैसे गंभीर आरोपों में दोषी पाए जाने के बाद राज्य सेवा से पदच्युत कर दिया गया है। यह कठोर कार्रवाई विद्यार्थियों और अभिभावकों द्वारा दी गई शिकायतों तथा उपलब्ध वीडियो साक्ष्यों के आधार पर गठित जांच समिति की त्वरित रिपोर्ट के बाद की गई। जांच में शिक्षक धाकड़ द्वारा किया गया व्यवहार राजस्थान सिविल सेवा (आचरण) नियमों का घोर उल्लंघन पाया गया। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए संबंधित शिक्षक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 एवं पॉक्सो अधिनियम की संगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई, और वर्तमान में वे पुलिस अभिरक्षा में हैं। विभागीय जांच में दोष सिद्ध होने के बाद उनके विरुद्ध सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की गई। जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक, चित्तौड़गढ़ द्वारा राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम 19(ii) के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए आरोपी को राजकीय सेवा के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है तथा उन्हें तत्काल प्रभाव से सेवा से पृथक कर दिया गया है।

अंतर्राज्यीय सिकलीगर गिरोह का पर्दाफाश, ताला-चाबी ठीक करने वाले बनकर घूमते, सूना मकान देख कर देते वारदात

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर की गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतर्राज्यीय सिकलीगर गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिसने देश भर में 30 से अधिक सनसनीखेज चोरियों को अंजाम दिया था। इस गिरोह के तीन शातिर सदस्य, लखन सिंह सिकलीगर, शेट्टी सिंह सिकलीगर और रोबिन सिंह सिकलीगर जो सभी गुजरात के मूल निवासी और आपस में रिश्तेदार हैं, उनको गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके कब्जे से चोरी का भारी मात्रा में माल और वारदात में इस्तेमाल की गई एक आई 20 कार भी बरामद हुई है। यह ऑपरेशन उदयपुर के जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के कुशल नेतृत्व में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाडा आरपीएस और वृताधिकारी गिर्वा सूर्यवीर सिंह राठौड के सुपरविजन में संपन्न हुआ। गोवर्धनविलास थानाधिकारी दिलीप सिंह झाला के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने गिरोह का भंडाफोड़ किया। यह कार्रवाई 5 मार्च, को गोवर्धनविलास थाना में दर्ज एक शिकायत के बाद शुरू हुई, जहाँ सुशील कुमार भटनागर के सूने मकान से चांदी के आभूषण और नकदी सहित अन्य कीमती सामान चोरी हो गए थे। पुलिस टीम ने तत्काल घटनास्थल का मुआयना किया और लगभग 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, टोल नाकों का रिकॉर्ड प्राप्त किया और मोबाइल टॉवर के डंप डेटा का विश्लेषण किया। जांच में सामने आया कि वारदात का तरीका गुजरात के सिकलीगर गिरोह से मिलता-जुलता था, जो अपनी चालाकी और चोरी के अनोखे तरीकों के लिए कुख्यात हैं। बदमाश देश के विभिन्न शहरों में ताला-चाबी ठीक करने वाले के रूप में घूमते थे, सूने मकानों की रेकी करते थे, और फिर रात के समय नकाब पहनकर वारदातों को अंजाम देते थे। ये अपनी पहचान छुपाने के लिए घटनास्थल के पास अपना मोबाइल बंद रखते थे और टोल नाकों से बचकर निकलते थे। पुलिस की टीम ने गुजरात और राजस्थान के विभिन्न ठिकानों पर दबिश देकर तीनों अभियुक्तों को पकड़ा। प्रारंभिक पूछताछ में आनाकानी के बाद, उन्होंने उदयपुर के सेक्टर 14 सहित राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र राज्यों में 30 से अधिक चोरियों को स्वीकार किया है, जिनमें डूंगरपुर शहर और उदयपुर के ऋषभदेव थाना क्षेत्र की वारदातें भी शामिल हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में से शेट्टी सिंह पर पहले भी नकबजनी का एक मामला दर्ज है, जबकि लाखन सिंह पर चोरी और नकबजनी के कुल पाँच मामले दर्ज हैं।

खाटूश्याम कीर्तन तुलसीदास सराय में कल

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से जुलाई माह का मासिक कीर्तन आज रविवार 20 जुलाई को सायंकाल 7 बजे से श्याम मन्दिर निर्माण स्थल,तुलसीदास सराय, डबोक एयरपोर्ट रोड पर होगा। अध्यक्ष शशिकांत खेतान ने बताया कि प्रमुख भजनगायक- दिल्ली से सुशील गुप्ता,उदयपुर से केमिता राठौड, जयपुर से गोविंद शर्मा एंव राजसमन्द से रितु श्रीमाली व अन्य भजन गायक अपनी हाजिरि से बाबा का गुणगान करेगें।दरबार श्रृंगार जयपुर से साँवरिया डेकोरेटर के द्वारा किया जाएगा। श्याम बाबा को खीर चूरमा तुलसी पंचामृत माखन मिश्री का भोग धराया जाएगा। आरती पश्चात सभी के लिए भण्डारा प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।

स्वच्छता सर्वेक्षण में 13वां स्थान पाने पर नगर निगम टीम को कलेक्टर की बधाई, निरंतर प्रयासों पर दिया ज़ोर

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर, 19 जुलाई। जिला कलक्टर एवं नगर निगम के प्रशासक नमित मेहता शनिवार दोपहर नगर निगम पहुंचे। यहां उन्होंने स्वच्छता सर्वेक्षण में उदयपुर की देश में 13वीं रैंक आने पर पूरी टीम को बधाई देते हुए आने वाले वर्षों में और बेहतर कार्य के लिए प्रेरित किया।

जिला कलक्टर के निगम पहुंचने पर आयुक्त अभिषेक खन्ना ने अगवानी की। बोर्ड बैठक सभागार में जिला कलक्टर ने स्वच्छता अभियान से जुड़े कार्मिकों की बैठक ली। उन्होंने उदयपुर में स्वच्छता के क्षेत्र में टीम की ओर से किए गए प्रयासों के लिए भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विश्व भर से पर्यटक उदयपुर आते हैं। शहर साफ सुधरा होगा तो निश्चित रूप से हमारी अच्छी छवि लेकर जाएंगे। इसलिए स्वच्छता बहुत जरूरी है। सामूहिक प्रयासों से उदयपुर ने इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। उन्होंने क्रिकेटर भारतरत्न सचिन तेंदुलकर और लगातार 9 वर्षों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब पाने वाले इंदौर शहर का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रदर्शन में निरंतरता ही किसी को महान बना सकती है। उन्होंने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखते हुए आने वाले वर्ष में उदयपुर को टॉप 3 में लाने के प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। श्री मेहता ने नगर निगम आयुक्त श्री खन्ना तथा स्वास्थ्य अधिकारी सत्यनारायण शर्मा से विस्तृत कार्ययोजना बनाकर उस पर अभी से अमल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने सभी कार्मिक को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया।

नवनीत मोटर्स ने किया मारुति सुजुकी के 5500वें सर्विस टच पॉइंट का उद्घाटन

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। नवनीत मोटर्स ने हाल ही में एक ऐतिहासिक उपलब्धि के अवसर पर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (MSIL) के Executive Director (Service) श्री राम सुरेश अकेला और श्री यासुहिरो कवाई, Executive Director (Service), MSIL का स्वागत किया। यह अवसर MSIL के 5500वें सर्विस टच पॉइंट के उद्घाटन के रूप में मनाया गया, जो उदयपुर, राजस्थान में स्थित है। यह आयोजन न केवल मारुति सुजुकी के सर्विस नेटवर्क के विस्तार का प्रतीक है, बल्कि नवनीत मोटर्स को राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में MSIL के सबसे बड़े डीलरों में से एक के रूप में स्थापित करता है। नवनीत मोटर्स के डायरेक्टर श्री ललित नारायण माथुर ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा, "यह उद्घाटन केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह हमारे ग्राहकों के विश्वास और हमारे समर्पण का प्रतीक है। इस नए टच पॉइंट के साथ, अब नवनीत मोटर्स के पास राजस्थान में कुल 14 सर्विस टच पॉइंट और 34 आउटलेट्स हैं।" मारुति सुजुकी अपने सर्विस नेटवर्क का विस्तार करते हुए ग्राहकों को आसान, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण सर्विस प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, और इस लक्ष्य की प्राप्ति में नवनीत मोटर्स जैसे विश्वसनीय डीलरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के साथ, नवनीत मोटर्स न केवल राजस्थान में बल्कि पूरे भारत में उत्कृष्ट सर्विस का प्रतीक बनकर उभरा है, और अपनी सर्विस की गुणवत्ता से ग्राहकों का विश्वास लगातार मजबूत कर रहा है

कॉलोनी में सांप घूम रहे हैं और टॉयलेट सीट से पानी निकल रहा, अजमेर में बारिश ने तोड़ा 50 साल का रिकॉर्ड, 20 से अधिक कॉलोनियां जलमग्न

24 न्यूज अपडेट

अजमेर। अजमेर शहर में शुक्रवार रात से जारी भारी बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। जुलाई माह में अब तक रिकॉर्ड 609 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो कि सामान्य मानसून सीजन की कुल औसत 458 मिमी बारिश से कहीं अधिक है। यह बीते 50 वर्षों में जुलाई में दर्ज सबसे अधिक वर्षा है। इससे पहले 1975 में ऐसी मूसलाधार बारिश हुई थी, जब शहर के निचले इलाके पानी में डूब गए थे। लगातार बारिश के कारण आनासागर झील का जलस्तर ओवरफ्लो हो गया, जिससे चौपाटी क्षेत्र सहित कई रिहायशी कॉलोनियों में पानी घुस गया। सागर विहार, वैशाली नगर, वन विहार, सुनहरी कॉलोनी, आम का तालाब, उदयगंज, गुलाब बाड़ी, केरियों की ढाणी सहित 20 से अधिक कॉलोनियां जलमग्न हो चुकी हैं। कई इलाकों में घरों के भीतर तीन फीट तक पानी भर गया है। जलभराव के चलते लोग छतों पर शरण लेने को मजबूर हैं। कुछ स्थानों पर लोग घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं।

जनजीवन पूरी तरह प्रभावित

सड़कों पर चार फीट तक पानी जमा हो गया है। दरगाह बाजार क्षेत्र में कई लोग तेज बहाव में बह गए। शहर की प्रमुख सड़कों—जयपुर रोड, हाथीभाटा, कचहरी रोड, तोपदड़ा, महावीर सर्किल, मेडिकल कॉलेज, कालाबाग, कुंदन नगर, अलवरगेट, राबड़िया मोहल्ला व गुर्जर धरती—में जलभराव से यातायात ठप है। सड़कों पर गड्ढे दिखाई नहीं दे रहे और वाहन फंस रहे हैं। वैशाली नगर में बारिश के पानी में मछलियां तक बहती नजर आईं।

घर बने जलाशय, बिजली-पानी संकट गहराया

कॉलोनियों में दूध, पीने के पानी व आवश्यक वस्तुओं की किल्लत पैदा हो गई है। कई घरों में बिजली आपूर्ति दो दिन से ठप है। मोबाइल की बैटरियां खत्म हो चुकी हैं। सागर विहार निवासी मनोज व राजेश मोटवानी ने बताया कि कॉलोनी में सांप घूम रहे हैं और टॉयलेट सीट से पानी निकल रहा है। बच्चों को छत पर शरण लेनी पड़ी है। गाड़ियां पानी में डूब चुकी हैं और लोग ऑटो से जरूरी सामान लाने को मजबूर हैं। बारिश का पानी संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू (JLN) अस्पताल तक पहुंच गया है। वार्ड, ओपीडी, कॉरिडोर में पानी भरने के बावजूद चिकित्सकों ने मरीजों की जांच जारी रखी। मरीजों को पानी में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा।

प्रशासन की तैयारियां नाकाम

मानसून पूर्व नगर निगम ने बड़े स्तर पर नालों व सीवरेज की सफाई के दावे किए थे, लेकिन भारी बारिश ने सभी दावों की पोल खोल दी। प्रशासन की 400 करोड़ रुपये की मास्टर ड्रेनेज योजना अब भी सरकारी फाइलों में दबी पड़ी है। इस योजना में जलनिकासी के लिए एस्केप चैनल गहरे करने, पुलियों की ऊंचाई बढ़ाने, सीवरेज चैंबर को स्थानांतरित करने, तथा सीसी सड़कों व नए नालों के निर्माण का प्रस्ताव था। अनुमोदन के अभाव में योजना ठप है और शहर हर साल जलभराव से जूझता है। जिला कलेक्टर लोकबंधु के निर्देश पर SDRF व सिविल डिफेंस की टीमें तैनात की गई हैं। सागर विहार कॉलोनी समेत प्रभावित इलाकों में नाव के जरिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। नगर निगम द्वारा पंप लगाए गए हैं, पर अधिकांश स्थानों से पानी नहीं निकल पा रहा। 18 जुलाई 1975 को जिस प्रकार अजमेर बाढ़ में डूबा था, लगभग वैसा ही दृश्य शुक्रवार को दोहराया गया। फर्क इतना है कि तब तकनीक और बजट सीमित थे, आज सब कुछ है लेकिन कार्यान्वयन नहीं। यदि समय रहते मास्टर प्लान को लागू नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में अजमेर हर मानसून में एक बाढ़ग्रस्त शहर के रूप में देखा जाएगा।

ट्रम्प का दावा फिर चर्चा में: बोले- भारत-पाक संघर्ष में गिरे थे 5 जेट, नहीं बताया किसके; कहा- युद्ध हमने रुकवाया था

24 न्यूज अपडेट

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को लेकर सनसनीखेज दावा किया है। व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सांसदों के साथ डिनर के दौरान ट्रम्प ने कहा कि भारत-पाक टकराव में "पांच फाइटर जेट गिराए गए थे"। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये विमान भारत के थे या पाकिस्तान के। ट्रम्प ने इसके साथ ही यह भी दोहराया कि उन्होंने ही इस संघर्ष को आगे बढ़ने से रोका था। गौरतलब है कि ट्रम्प पहले भी 24 बार इस प्रकार का दावा कर चुके हैं, सबसे पहले उन्होंने 10 मई को सोशल मीडिया पर कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच उन्होंने मध्यस्थता कर शांति बहाल करवाई थी।

दोनों देशों के दावों के बीच संशय

भारत और पाकिस्तान दोनों ने संघर्ष के दौरान एक-दूसरे के फाइटर जेट गिराने का दावा किया था। भारतीय रक्षा सूत्रों के मुताबिक, 6 से 10 मई के बीच 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के 6 फाइटर जेट, 3 अन्य विमान और 10 से अधिक ड्रोन व क्रूज मिसाइलें नष्ट की थीं। साथ ही भारत ने यह भी बताया था कि उसके रडार सिस्टम और मिसाइलों ने एक हाई-वैल्यू टारगेट को भी मार गिराया था, जो संभवतः पाकिस्तान का इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर या अर्ली वॉर्निंग सिस्टम था। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान ने शुरू में 5 और बाद में 6 भारतीय फाइटर जेट मार गिराने का दावा किया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संसद में इस कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा था कि भारत के राफेल विमान भी पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई में ध्वस्त किए गए। पाक विदेश मंत्रालय ने भारत से विमान नुकसान को स्वीकार करने की भी मांग की थी।

CDS चौहान ने क्या कहा?

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान ने मई में दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि विमानों की संख्या से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि संघर्ष से क्या सीखा गया। उन्होंने स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के दावों को खारिज करते हुए कहा था कि भारत ने अपनी रणनीति में तेजी से सुधार कर अगली ही कार्रवाई में प्रभावी जवाब दिया।

ट्रम्प की 'डिप्लोमैटिक ट्रेड' रणनीति

ट्रम्प ने इस पूरे मुद्दे पर अपनी व्यापार नीति को शांति के लिए 'उपयोगी औजार' बताया। नाटो महासचिव मार्क रूट के साथ बातचीत में ट्रम्प ने कहा, "हम युद्धों को निपटाने में काफी सफल रहे हैं। हमने व्यापार के जरिए दबाव बनाया और कहा कि जब तक आप संघर्ष नहीं रोकते, तब तक व्यापार नहीं होगा।"

क्या था संघर्ष का कारण?

इस टकराव की पृष्ठभूमि में कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला था, जिसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। इसके बाद पाकिस्तान की तरफ से भी जवाबी हमले किए गए, जिसमें दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने का दावा किया।

फसल विविधीकरण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन: किसानों की आय बढ़ाने व सतत खेती को मिलेगा बढ़ावा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 19 जुलाई। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के अनुसंधान निदेशालय द्वारा झाड़ोल तहसील के तुरगढ़ गांव में आयोजित दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को सफल समापन हुआ। फसल विविधीकरण परियोजना के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण में कुल 25 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से रूबरू कराना, फसल विविधीकरण के लाभ समझाना, और उन्हें आत्मनिर्भर कृषि प्रणाली अपनाने हेतु प्रेरित करना रहा। समापन सत्र में परियोजना प्रभारी डॉ. हरि सिंह ने कहा कि फसल विविधीकरण न केवल किसानों की आमदनी को बढ़ाता है, बल्कि यह मृदा स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ खेती के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि एक ही खेत में विविध फसलें उगाने से पोषक तत्त्वों का संतुलन बना रहता है और कीट-रोग नियंत्रण में भी मदद मिलती है। मक्का, दालें और तिलहन की मिश्रित खेती को उन्होंने स्थानीय परिस्थितियों के लिए उपयुक्त बताते हुए कई व्यावहारिक उदाहरण दिए। इस दौरान डॉ. नरेन्द्र यादव ने तिलहन फसलों की महत्ता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मूंगफली और सोयाबीन जैसी फसलें नाइट्रोजन स्थिरीकरण में सहायक होती हैं, जिससे मृदा की उर्वरता बनी रहती है। साथ ही इन फसलों की बढ़ती बाजार मांग किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकती है। प्रशिक्षण के दौरान खरपतवार नियंत्रण को लेकर भी किसानों को आधुनिक यंत्रों व तकनीकों का लाइव डेमो दिखाया गया। शाकनाशी के सुरक्षित छिड़काव, उचित मात्रा और समय निर्धारण की जानकारी ने किसानों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. हरि सिंह ने सभी किसानों, विशेषज्ञों एवं आयोजन टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भरोसा जताया कि इस प्रशिक्षण से किसानों में वैज्ञानिक सोच बढ़ेगी और वे अब अपनी कृषि पद्धतियों में नवाचारों को शामिल कर अधिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। समापन अवसर पर परियोजना से जुड़े तकनीकी सहयोगी मदनलाल मरमट और गोपाल नाई भी उपस्थित रहे, जिन्होंने किसानों को व्यावहारिक सहायता प्रदान की।

पुष्कर में 50 साल बाद बाढ़ जैसे हालात, 1000 घर पानी में डूबे, सैकड़ों टूरिस्ट फंसे

24 न्यूज अपडेट

पुष्कर (अजमेर), 19 जुलाई। राजस्थान के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पुष्कर में बीते 24 घंटे की भारी बारिश ने 50 वर्षों बाद बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय पर्यटक स्थल माने जाने वाले पुष्कर शहर का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है। अरावली की पहाड़ियों से आए तेज पानी ने शहर की सड़कों, मंदिरों, होटलों और घरों को अपनी चपेट में ले लिया है। 6 फीट तक पानी, 1000 घर डूबे, होटल खाली कराए पुष्कर में लगभग 4 इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई, जिससे सावित्री मार्ग, बड़ी पुलिया, माली मोहल्ला और मिश्रा मोहल्ला जैसे क्षेत्रों में 5 से 6 फीट तक पानी भर गया। प्रशासन की ओर से अब तक करीब 1000 घरों को खाली कराया गया है और 5 होटलों में फंसे सैकड़ों पर्यटकों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

सड़क पर तैरती नजर आईं गायें

शहर के बीचों-बीच पसरे पानी ने ऐसी तस्वीरें सामने लाईं, जो चौंकाने वाली हैं। सावित्री मार्ग पर गायें सड़कों पर तैरती नजर आईं, होटल, दुकानें और मकानों में पानी घुस गया। बड़ी पुलिया के पीछे एसडीआरएफ की टीम ने मकान में फंसे एक दंपती और उनके पालतू डॉग को सुरक्षित बाहर निकाला।

चारों ओर जल ही जल, बिजली और नेटवर्क ठप

वराह घाट, नरसिंह घाट, पुराना गंजी मंदिर, गुरुद्वारा क्षेत्र तक हर जगह पानी ही पानी। सुबह 8 बजे के आसपास पुष्कर सरोवर का जलस्तर 10 फीट से ऊपर चला गया, घाट की सीढ़ियां तक डूब गईं। बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित रही और मोबाइल नेटवर्क भी ठप हो गया। बूढ़ा पुष्कर क्षेत्र में अजमेर रोड पर इतना जलभराव हो गया कि लोगों को ट्रैक्टर पर बैठाकर रास्ता पार करवाना पड़ा। कस्बे में जगह-जगह लोग छतों और ऊंची जगहों पर शरण लिए हुए हैं। सावित्री मार्ग के दुकानदारों ने बताया कि उनकी दुकानों में 3 से 4 फीट पानी घुस गया और प्रति दिन का 20 से 30 हजार का नुकसान हुआ है। एक होटल मालिक ने बताया कि बेसमेंट तक पानी भर गया और पर्यटकों को ऊपरी मंजिलों से बाहर निकालना पड़ा। स्थानीय निवासी विनोद पाराशर का कहना है कि जहां पहले पानी जमा होता था, वहां अब निर्माण कर दिया गया है। इसका सारा दबाव सावित्री मार्ग जैसे इलाकों पर आ गया है। 1975 जैसी बाढ़ के हालात, फिर दोहराया गया इतिहास सामाजिक कार्यकर्ता अरुण पाराशर के अनुसार, 18 जुलाई 1975 को पुष्कर में ऐसी ही भीषण बाढ़ आई थी। लगातार बारिश से पुष्कर सरोवर का जलस्तर 27 फीट पार कर गया है। पाराशर ने बताया कि 1975 की बाढ़ के बाद यह सबसे भीषण स्थिति है। प्रशासन, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें लगातार राहत और बचाव कार्य में लगी हुई हैं। वहीं मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में और बारिश की संभावना जताई है।

ज्वेलरी शॉप चोरी का तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार: पुलिस ने भीलवाड़ा से पकड़ा, डेढ़ किलो चांदी की थी चोरी

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर, 19 जुलाई। सागवाड़ा थाना पुलिस ने ज्वेलरी शॉप में चोरी के मामले में फरार चल रहे तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को भीलवाड़ा से दबोचा गया, जबकि मामले में शामिल दो अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। थानाधिकारी मदनलाल खटिक ने बताया कि सागवाड़ा निवासी सुमित पंचाल ने 6 अक्टूबर 2024 को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, जिसमें बताया गया कि 5 अक्टूबर की रात को उसकी ज्वेलरी शॉप से करीब डेढ़ किलो चांदी के जेवरात चोरी कर लिए गए थे। पुलिस ने जांच के दौरान 10 जुलाई 2025 को चित्तौड़गढ़ निवासी सुनील कंजर और राकेश कंजर को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में दोनों ने परमेश कंजर के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया था। तभी से पुलिस फरार चल रहे परमेश कंजर की तलाश में जुटी थी। शनिवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी परमेश कंजर को भी भीलवाड़ा से गिरफ्तार कर लिया है। वर्तमान में आरोपी से पूछताछ की जा रही है, जिससे चोरी के माल की बरामदगी और किसी अन्य वारदात से संबंध की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में गहन पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान से दिल्ली आने-जाने वाली 40 ट्रेनें रद्द, 23 के रूट बदले, उदयपुर के ये ट्रेनें भी हैं शामिल

24 न्यूज अपडेट

जयपुर/उदयपुर, 19 जुलाई। दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर न्यू इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग पैनल लगाने के कार्य के चलते उत्तर रेलवे ने 20 से 29 जुलाई के बीच ट्रेनों के संचालन में बड़ा बदलाव किया है। इस अवधि में 40 ट्रेनें पूरी तरह रद्द, 8 ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द तथा 23 ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित किए गए हैं। इससे राजस्थान के जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, बाड़मेर जैसे प्रमुख स्टेशनों से दिल्ली की ओर यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ेगा।

प्रभावित ट्रेनों में जयपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला डबल डेकर ट्रेन भी शामिल है, जो रोजाना अप व डाउन मिलाकर करीब 2000 यात्रियों को लाती-ले जाती है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार, इस एक ट्रेन के बंद रहने से ही करीब 70 लाख रुपये का राजस्व नुकसान अनुमानित है। वहीं, उदयपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस (22985/22986) को 27 जुलाई को पूरी तरह रद्द किया गया है, जबकि 20473/20474 ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द रहकर दिल्ली सराय की बजाय दिल्ली कैंट तक ही संचालित होंगी। इसके अलावा उदयपुर-न्यू जलपाईगुड़ी ट्रेन (19601) को भी 26 जुलाई को दिल्ली के वैकल्पिक स्टेशनों कृ पटेल नगर, दया बस्ती, किशनगंज होते हुए चलाया जाएगा। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पूर्व ट्रेनों की स्थिति की जानकारी रेलवे के आधिकारिक पोर्टल या हेल्पलाइन से अवश्य प्राप्त करें। इस इंटरलॉकिंग कार्य का उद्देश्य दिल्ली मंडल में सिग्नलिंग प्रणाली को आधुनिक बनाना है, लेकिन इसके चलते अस्थायी रूप से ट्रैफिक का बड़ा असर देखा जा रहा है।

सिंधी समाज का प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह कल, तैयारियों को दिया अंतिम रूप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 19 जुलाई। पूज्य जैकब आबाद पंचायत, पूज्य सिंधी साहिती पंचायत, पूज्य खानपुर सिंधी पंचायत तथा पूज्य प्रतापनगर सिंधी पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में सिंधी समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आगामी रविवार को आयोजित किया जाएगा। इस समारोह की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को झूलेलाल भवन, शक्तिनगर में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूज्य जैकब आबाद पंचायत के अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री हरीश राजानी ने जानकारी दी कि यह कार्यक्रम कक्षा 6 से 12 तक के उन विद्यार्थियों के सम्मान हेतु आयोजित किया जा रहा है, जिन्होंने अपनी परीक्षाओं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। यह आयोजन समाज के युवाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा के क्षेत्र में उनके समर्पण को सराहने के उद्देश्य से किया जा रहा है। पूज्य सिंधी साहिती पंचायत के अध्यक्ष ओमप्रकाश आहूजा ने बताया कि सम्मान समारोह में विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो एवं उपरना पहनाकर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, उन्हें आगामी कक्षाओं और करियर चयन के लिए विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। पूज्य खानपुर सिंधी पंचायत के अध्यक्ष किशन वाधवानी ने कहा कि समाज के शिक्षाविद इस अवसर पर विद्यार्थियों को विषय चयन, अनुशासन और मेहनत के महत्व पर मार्गदर्शन देंगे। अभिभावकों और शिक्षकों को उनके सहयोग एवं योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई जाएगी। पूज्य प्रतापनगर सिंधी पंचायत अध्यक्ष उमेश मनवानी ने बताया कि समारोह को सफल और सुव्यवस्थित बनाने के लिए समाज द्वारा विभिन्न कार्य-समूहों का गठन किया गया है। इनमें मंच संचालन, अतिथि स्वागत, पुरस्कार वितरण, विद्यार्थियों का सम्मान, फोटोग्राफी तथा भोजन व्यवस्था जैसे कार्य शामिल हैं। सभी सदस्य आयोजन को गरिमामय और प्रेरणादायक बनाने के लिए तत्पर हैं। पूज्य सिंधी साहिती पंचायत के महासचिव रामचंद्र चोटरानी और उपाध्यक्ष कैलाश नेभनानी ने बताया कि इस सम्मान समारोह की एक विशेष पहल यह भी होगी कि विद्यार्थियों को शिक्षा क्षेत्र से जुड़े अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा व्यक्तिगत मार्गदर्शन एवं काउंसलिंग प्रदान की जाएगी। इसका उद्देश्य उन्हें प्रोत्साहित करने के साथ-साथ सही दिशा में मार्गदर्शन देना है, ताकि वे समाज और देश का नाम रोशन कर सकें। कार्यक्रम में काउंसलिंग का कार्य मीनाक्षी भैरवानी एवं कमलेश आहूजा द्वारा किया जाएगा। वहीं कार्यक्रम के सुचारु संचालन के लिए अशोक पाहुजा, कमलेश राजानी, विक्की राजपाल, डॉ अशोक छांदवानी, चंद्रेश छतलानी, कैलाश डेंबला, कमल पाहुजा और जगदीश निचलानी को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। यह जानकारी समाजसेवी जितेन्द्र कालरा ने दी।

मौज करो बच्चों!! स्कूल खुलते ही माड़साब की लग गई भेड़-निष्क्रमण में ड्यूटी, गई एजुकेशन की भैंस पानी में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राज्य सरकार की प्रशासनिक मशीनरी ने एक बार फिर शिक्षकों को भेड़-बकरियों की तरह हांकते हुए उन्हें मूल कार्य शिक्षण से दूर कर भेड़ निष्क्रमण नियंत्रण कक्ष में ड्यूटी पर तैनात कर दिया है। जिले में भेड़ निष्क्रमण एवं नियमन वर्ष 2025-26 के लिए स्थापित 24×7 नियंत्रण कक्ष के लिए विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को जबरन शिक्षा विभाग से हटाकर भेड़-बकरियों की निगरानी जैसे गैर-शैक्षणिक कार्य में झोंक दिया गया है। शिक्षकों ने इस आदेश का खुलेआम विरोध करते हुए इसे न केवल शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन बताया है बल्कि अपने पेशे की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला भी करार दिया है। स्कूल खुले, और टीचरों को थमा दिया भेड़ों का चार्ट माह जुलाई से शुरू हुए इस आदेश के तहत उदयपुर के विभिन्न स्कूलों में पढ़ा रहे 10 से अधिक शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से अधिग्रहित कर ली गई हैं। इन्हें अब न्याय अनुभाग (कमरा नंबर 105) में भेड़ निष्क्रमण नियंत्रण कक्ष में बैठकर फोन उठाने, रिपोर्टिंग करने और भेड़-बकरी गणना जैसे कार्यों में लगाया गया है। आदेश में साफ कहा गया है कि यदि कोई शिक्षक या कर्मचारी स्थानांतरित हो गया हो, तो उसकी जगह तुरंत किसी और को भेजें, वरना अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

शिक्षक बोले -"हद हो गई, अब हम भेड़ गिनेंगे?"

राजकीय विद्यालयों में पढ़ाने वाले इन शिक्षकों ने कहा कि यह आदेश शिक्षा की जड़ें कमजोर करने वाला है। एक शिक्षक ने नाराजगी जताते हुए कहा, "जब स्कूलों में विद्यार्थियों की पढ़ाई का समय है, उसी दौरान हमें भेड़-निष्क्रमण केंद्र में बैठने भेजा जा रहा है। यह शिक्षक नहीं, भेड़-बकरी चरवाहा बनाने जैसा है। ये हैं वो शिक्षक, जिन्हें शिक्षा नहीं, अब भेड़-बकरियों की देखरेख सौंपी गई है:

राजेन्द्र कुमार, अ.प्र.अ., रा.उ.मा.वि., बेलाणा, ऋषभदेव

मोहनपाल सिंह मुण्डावत, शा.शि., रा.उ.मा.वि., निकोर, सायरा

राजकुमार चौधरी, शा.शि., रा.उ.मा.वि., घणावल, सायरा

योगेन्द्र पाल, अध्यापक, रा.उ.प्रा.वि., कृष्णा कॉलोनी, वार्ड-8, गोवर्धन विलास

अंजु शर्मा, अध्यापक, रा.उ.प्रा.वि., अमरपुरा (खालसा)

राजकुमार शर्मा, अध्यापक, रा.उ.प्रा.वि., सलदरी, झाड़ोल

मनीष वेद, शा.शि., रा.उ.मा.वि., पलासमा, सायरा

कविता बोलियाल, अध्यापक, रा.उ.प्रा.वि., ढाणा, मेडता

विश्वजीत सिंह राणावत, अध्यापक, रा.उ.प्रा.वि., माधवपुरा, गोगुन्दा

पुष्कर लाल सुथार, शा.शि., स.उ.प्रा.वि., नाथियातल, गोगुन्दा

नाथुलाल सालवी, सहायक कर्मचारी, रा.उ.मा.वि., एकलिंगपुरा, उदयपुर

उदयलाल माली, सहायक कर्मचारी, रा.बा.उ.मा.वि., जगदीश चौक, उदयपुर

नहीं आए तो होगी कार्रवाई

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (शहर) वार सिंह द्वारा जारी आदेश में साफ लिखा गया है कि यदि कोई कार्मिक अनुपस्थित पाया गया, तो उसे आदेश की अवहेलना माना जाएगा और नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। यह भी कहा गया है कि यदि कोई शिक्षक स्थानांतरित हो गया हो, तो उसकी जगह तुरंत समकक्ष कार्मिक भेजा जाए। शिक्षा के अधिकार पर सीधा हमला शिक्षकों की इस जबरन ड्यूटी से साफ है कि राज्य की प्रशासनिक प्राथमिकताओं में शिक्षा सबसे निचले पायदान पर है। जब बच्चों की पढ़ाई और शिक्षकों का उपयोग केवल प्रशासनिक 'फील्ड वर्क' के लिए होगा, तो सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उम्मीद कैसे की जा सकती है?

छात्रसंघ चुनाव बहाली को लेकर एबीवीपी का विरोध प्रदर्शन, अशोक गहलोत का पुतला दहन

24 न्यूज अपडेट

सलूंबर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने शनिवार को छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व कांग्रेस सरकार को लोकतांत्रिक परंपराओं को खत्म करने का दोषी ठहराया और कहा कि अशोक गहलोत सहित कांग्रेस नेताओं ने छात्रों को राजनीति की पहली सीढ़ी से वंचित कर उनका अपमान किया। एबीवीपी ने प्रदर्शन नगर मंत्री रोहित सिंह शक्तावत के नेतृत्व में किया।

प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अशोक गहलोत और अन्य कांग्रेस नेताओं का पुतला फूंका। उनका कहना था कि छात्रसंघ चुनाव न केवल छात्र राजनीति का मंच है बल्कि इससे युवा नेतृत्व को अवसर मिलता है। इसे बंद कर कांग्रेस ने युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय किया।

एबीवीपी नेताओं ने कहा कि वर्तमान सरकार को चाहिए कि वह तुरंत छात्रसंघ चुनाव बहाल करे ताकि छात्र लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। यदि सरकार ने इस मांग पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

इस दौरान प्रांत कार्यकारिणी सदस्य खुशाल शर्मा, छात्रसंघ अध्यक्ष विक्रम टेलर, नगर सह मंत्री गौरव भोई, भावेश राठौड़, प्रद्युमन सिंह, सोनाली गर्ग, भाग संयोजक दीक्षित सुथार, सागर मेहता, कुलदीप सिंह, जयराज सिंह, रवि कलाल, हितेश सालवी, हिमानी लोहार, शुभम गर्ग, गजेंद्र सिंह, लव सालवी, राजवीर सिंह, ध्रुव खटीक, यश खटीक, माधव सेवक, करण मेहता, भावेश मेहता, अजय मेहता समेत बड़ी संख्या में छात्र शक्ति मौजूद रही।

सहस्त्रबाहु नारी शक्ति संगठन ने सावन उत्सव मनाया

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर सहस्त्रबाहु नारी शक्ति संगठन ने सावन महोत्सव में अध्यक्ष निर्मला जायसवाल और सदस्यों द्वारा अमरख महादेव जी में पूजा - अर्चना कर 2100/- रुपये भेंट चढाकर किया गया । इसके बाद के सभी कार्यक्रमों को ' तथास्तु रिसोर्ट ' में हर्षोल्लास से मनाया गया । सर्वप्रथम राधे - कृष्ण की युगल जोडी को झूले में विराजमान कर , सुंदर झांकी सजाई गयी । फिर सभी सदस्यों ने पूजा कर मंगल आरती की । युगल जोडी को बारी - बारी से सभी ने झूला झुलाया । तत्पश्चात ' सावन उत्सव ' का आगाज किया गया । सोलह श्रृंगार कर , लहरिये और मोठडे पहन आई सभी सदस्याओं ने बेहतरीन नृत्य और गीत प्रस्तुतियां दी । रैंप वॉक भी की गई और एक से एक मधुर भजनों पर सभी खूब नाचे - झूमे । कार्यक्रम में पुरस्कारों का वितरण किया गया जिनमें ' सावन क्वीन ' - राजकुमारी सुहालका , व ' मिसेज लहरिया ' - प्रमिला टांक बनी । नृत्य में प्रथम - स्मारिका सुहालका और द्वितीय ज्योति पुर्बिया विजेता रही । सभी को सुंदर लहरिये भेंट किए गए । सरप्राइज गेम रखा गया जिसकी पांच विजेताओं रचना सुहालका , माधवी सुहालका , जयश्री पटेल , प्रमिला पुर्बिया , सुमति सुहालका को पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम में कल्पना पुर्बिया , मीना , किरण , माधवी सुहालका व मनीला पुर्बिया की भी नृत्य प्रस्तुति प्रशंसनीय रही । शांता नागर के ' नीले लहरिये वाले ' गीत ने सभी को भाव - विभोर कर दिया । सभी प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरस्कार दिये गए । कार्यक्रम का संचालन नम्रता चौधरी ने किया और सावन से जुडी कविताओं व शायरियों से रंग जमा दिया । कार्यक्रम के आयोजको चंद्रकला , रेणु , गायत्री , जयन्ती , मिनाक्षी , किरण , जयप्रभा , नम्रता , हेमा व प्रमिला चौधरी ने इस भक्ति , मनोरंजन व स्वादिष्ठ भोजन से भरपूर कार्यक्रम का आयोजन किया । आयोजको ने सभी पधारी हुई अतिथि महिलाओं को स्मृति स्वरूप उपहार प्रदान किए । कार्यक्रम का समापन रिमझिम बारिश के बीच स्विमिंग पूल में आनंद लेते हुए किया गया । सभी अतिथि सदस्याओं ने अपना पूरा दिन उत्साह और उर्जा से संगठन को दिया व आयोजको ने एक सफल कार्यक्रम को अंजाम दिया , इसके लिए उपाध्यक्ष कल्पना पुर्बिया ने सभी को धन्यवाद व बधाई प्रदान की ।

बारिश की बूंदों में सुलगती रही हड़ताल, छठे दिन भी सेटिस्फाई नहीं हुआ चक्की पिसिंग एटीट्यूड वालों का 'ईगो', वेतन रोकने वालों का वेतन काटने की मांग

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में लगातार छठे दिन एसएफएबी कर्मचारियो की हड़ताल जारी रही। एक तरफ पुलिस की गेस्ट हाउस में चल रहे कार्यक्रम में नहीं जाने की हिदायतें, प्रशासनिक भवन के बाहर तक ही समित रहने की नसीहतें तो दूसरी तरफ बारिश की बूंदें। एसएफएबी कर्मचारियों ने सबका डटकर सामाना किया। दिनभर नारेबाजी होती रही व निष्ठुर, संवेदनहीन हुए प्रशासन को जमकर कोसा। अंदरखाने हड़ताल को समाप्त कराने के लिए तीन महीने वाले आदेश को ढाल बना विवि प्रशासन अब खुद को पाक साफ साबित करने और कर्मचारियों को ही दोषी करार देने की रणनीति पर आगे बढ़ता नजर आया। इस पर कर्मचारियों ने कहा कि चार बार हड़ताल हो चुकी है। हर बार वही आश्वासन। अब तो हद हो गई है। मूल सवाल ये है कि बार-बार वेतन कौन रोकता है। बार बार एक्टेंशन कौन रोकता है? हड़ताल ही इसलिए शुरू हुई थी कि ना वेतन मिला है ना एक्सटेंशन। जब हर बाद दगा मिल रहा है तो नौकरी करें तो किस भरोसे पर। जिस राज्य सरकार ने भरोसा दिया उसी के आदेश को नहीं माना जा रहा है। ऐसे में संकट बहुत ही गंभीर हो चला है। कर्मचारियों ने बताया कि प्रशासनिक और अकादमिक सेवाएं लगभग ठप रहीं जिसका कोई खास असर ईगो प्राब्लम वालों पर नहीं देखा गया। आदिवासी अंचल से आए विद्यार्थी परीक्षा, डिग्री और काउंसलिंग जैसी आवश्यक सेवाओं के लिए दिनभर भटके लेकिन इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ा। अब आवाज उठ रही है कि वेतन रोकने वालों का भी वेतन रोका जाए और जांच की जाए कि कौन इसके पीछे है और क्यों बार-बार विवि की साख, कार्यसंस्कृति और कर्मचारियों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। इसके लिए एक जांच कमेटी का गठन किया जाए व उसकी रिपोर्ट आने तक वेतन रोकने वालों का वेतन रोक दिया जाए। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में सक्रिय दबाव समूह और यसमैन संस्कृति पर भी दबी जुबान में सवाल उठ रहे हैं, जो संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों तक अपनी पहुंच बताकर मनमानी कर रहे है। यह स्थिति न केवल दुखद है, बल्कि विश्वविद्यालय के भविष्य के लिए चिंतनीय है। कर्मचारी संगठन अध्यक्ष नारायण लाल सालवी ने आज हड़ताल के दौरान आरोप लगाया कि प्रशासन जानबूझकर कर्मचारियों के एक्सटेंशन आदेश और वेतन आदेश समय पर जारी नहीं कर रहा है। यह कोई एक बार की बात नहीं, बल्कि बार-बार दोहराई गई रणनीति है, जिससे यह स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि यह पूर्व नियोजित प्रताड़ना है। संगठन का कहना है कि प्रशासन हर बार दो-तीन महीने के कार्यादेश जारी करता है और फिर वेतन आदेश को टालता है, जिससे कर्मचारियों को असहाय और निर्भर बनाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है।

प्रशासनिक भूल नहीं, सुनियोजित प्रताड़ना

सबसे गंभीर सवाल यह है कि अगर यह चूक प्रशासनिक भूल नहीं बल्कि किसी के ईगो का परिणाम है, तो फिर उस व्यक्ति की पहचान कर उस पर कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए? आखिर वह कौन है जिसके इशारे पर विश्वविद्यालय का पूरा वर्क कल्चर दांव पर लगा है? और क्या हमारे विधायक और सांसद इस पूरे मामले पर अब चुप रहेंगे? छह दिन में किसी जनप्रतिनिधि ने हड़तालरत कर्मचारियों से संवाद तक नहीं किया, जो इस बात की ओर इशारा करता है कि कहीं वे भी किसी ऊपरी दबाव में तो नहीं? कर्मचारियों की मांगें कोई असंभव नहीं हैं। राज्य सरकार के आदेशानुसार 31 दिसंबर 2025 तक कार्यादेश और वेतन आदेश साथ में जारी करना ही उनकी प्रमुख मांग है। लेकिन विश्वविद्यालय ने मात्र तीन महीने का आदेश देकर अपने पल्ले झाड़ने की कोशिश की है।

जिनेश्वर भगवंत का नाम लेने से आत्मा को सम्यग् दर्शन की प्राप्ति होती है : साध्वी जयदर्शिता

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 19 जुलाई। तपागच्छ की उद्गम स्थली आयड़ जैन मंदिर में श्री जैन श्वेताम्बर महासभा के तत्तवावधान में कच्छवागड़ देशोद्धारक अध्यात्मयोगी आचार्य श्रीमद विजय कला पूर्ण सूरीश्वर महाराज के शिष्य गच्छाधिपति आचार्य श्रीमद विजय कल्पतरु सुरीश्वर महाराज के आज्ञावर्तिनी वात्सलयवारिधि जीतप्रज्ञा महाराज की शिष्या गुरुअंतेवासिनी, कला पूर्ण सूरी समुदाय की साध्वी जयदर्शिता श्रीजी, जिनरसा श्रीजी, जिनदर्शिता श्रीजी व जिनमुद्रा श्रीजी महाराज आदि ठाणा की चातुर्मास सम्पादित हो रहा है। महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने बताया कि शनिवार को आयड़ तीर्थ के आत्म वल्लभ सभागार में सुबह 7 बजे साध्वियों के सानिध्य में ज्ञान भक्ति एवं ज्ञान पूजा, अष्ट प्रकार की पूजा-अर्चना की गई। सभी श्रावक-श्राविकाओं ने जैन ग्रंथ की पूजा-अर्चना की। आयड़ तीर्थ के आत्म वल्लभ सभागार में शनिवार को आयोजित धर्मसभा में साध्वी जयदर्शिता श्रीजी ने प्रवचन में बताया कि हृदय में आदर-बहुमान पूर्वक जिनेश्वर भगवंत का नाम लेने से आत्मा को सम्यग् दर्शन गुण की प्राप्ति होती है। यदि पहले ही सम्यक दर्शन प्राप्त कर लिया हो तो प्रभु के नाम स्मरण से पूजन-अर्चना से वह सम्यक दर्शन अधिक निर्मल बनता है। परमात्मा सुविधिनाथ प्रभु के गर्भ में आने के बाद प्रभु के माता-पिता विधिपूर्वक धर्म की आराधना करने लगे, अतः प्रभु का सुविधि" नाम रखा गया अथवा मचकुंद के पुष्प के समान प्रभु की दंत पंक्ति होने से प्रभु का नाम पुष्पदंत" रखा गया । इस अवसर पर कुलदीप नाहर, भोपाल सिंह नाहर, अशोक जैन, राजेन्द्र जवेरिया, प्रकाश नागोरी, दिनेश बापना, अभय नलवाया, कैलाश मुर्डिया, चतर सिंह पामेच, गोवर्धन सिंह बोल्या, सतीश कच्छारा, दिनेश भण्डारी, रविन्द्र बापना, चिमनलाल गांधी, प्रद्योत महात्मा, रमेश सिरोया, कुलदीप मेहता आदि मौजूद रहे।

हाईकोर्ट में हारे डॉ. ताबियार, डॉ. राठौड़ ही रहेंगे सीएमएचओ, छह माह से चल रहे विवाद पर न्यायिक विराम, ट्रिब्यूनल का स्टे खारिज

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। जिले में पिछले छह महीनों से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) के पद को लेकर जारी प्रशासनिक विवाद पर राजस्थान हाईकोर्ट ने अंतिम निर्णय सुनाते हुए स्थिति स्पष्ट कर दी है। न्यायालय ने निदेशालय के ट्रांसफर आदेश को वैध मानते हुए डॉ. खुशपाल सिंह राठौड़ को ही बांसवाड़ा का सीएमएचओ बनाए रखने का आदेश दिया है। दरअसल, जनवरी माह में चिकित्सा विभाग निदेशालय ने एक स्थानांतरण सूची जारी की थी, जिसके तहत तत्कालीन सीएमएचओ डॉ. एच.एल. ताबियार को उनके पद से हटाकर उन्हें दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया था। उनकी जगह एमजी अस्पताल, बांसवाड़ा के तत्कालीन पीएमओ डॉ. खुशपाल सिंह राठौड़ को सीएमएचओ नियुक्त किया गया था। हालांकि, ट्रांसफर आदेश के खिलाफ डॉ. ताबियार ने राजस्थान सिविल सेवा ट्रिब्यूनल में यह कहते हुए स्थगन आदेश (स्टे) ले लिया था कि उनका सेवानिवृत्त होने का समय निकट है और उनका तबादला मात्र दो किलोमीटर दूर किया गया है। इस स्टे आदेश के विरुद्ध पहले एकल पीठ में याचिका दायर की गई, किंतु वहां से राहत नहीं मिलने पर डॉ. राठौड़ ने डबल बेंच में अपील की। डबल बेंच ने ट्रिब्यूनल के आदेश को खारिज करते हुए स्पष्ट कहा कि सेवानिवृत्ति के निकट होना और निकट दूरी पर स्थानांतरण जैसे तर्क ट्रांसफर ऑर्डर पर स्टे का आधार नहीं हो सकते।

वर्षों से ट्रांसफर रोकते रहे ताबियार

उल्लेखनीय है कि डॉ. एच.एल. ताबियार जिले के ऐसे वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी हैं जिन्होंने पिछले 4 से 5 वर्षों में जब भी ट्रांसफर हुआ, हर बार ट्रिब्यूनल से स्थगन आदेश लेकर अपने पद पर बने रहने में सफल रहे। यह पहला मौका था जब उनके स्टे ऑर्डर के खिलाफ अपील की गई और न्यायालय ने उनके विरुद्ध निर्णय दिया। वे पिछले तीन दशकों में सबसे लंबे समय तक सीएमएचओ पद पर बने रहने वाले अधिकारियों में गिने जाते हैं।

प्रजापति युवा सोशल ग्रुप का 20 वां रक्तदान शिविर

24 न्यूज अपडेट

उदयुपर। प्रजापति युवा सोशल ग्रुप का 20 वां रक्तदान शिविर रविवार को भुवाणा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आयोजित होगा। ग्रुप के संरक्षक जादूगर राजतिलक ने बताया कि ग्रुप की ओर से निरन्तर रक्तदान शिविर का आयोजन कर जरूरतमंदो को रक्त पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा ग्रुप के सदस्य जरूरत पड़ने पर मरीजों को व्यक्तिगत रूप से रक्त देकर जीवन देने का काम कर रहे है। उन्होंने बताया कि अब तक 19 रक्तदान शिविर हो चुके है और यह 20 वां रक्तदान शिविर होगा। इसमे 101 यूनिट रक्त का लक्ष्य रखा गया है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।